इस प्रश्नपत्र में से थोड़े-बहुत (अंशत:) प्रश्न दिनांक. १६ फरवरी, २००३ के दिन आनेवाली मुख्य परीक्षा में पूछे जाने की संभावनाए हैं ।

बोचासनवासी श्री अक्षरपुरुषोत्तम स्वामिनारायम संस्था
सत्संग शिक्षण परीक्षा - पूर्व कसौटी
सत्संग परिचय - १

जनवरी, २००३ *समय : सुबह ९ से ११.१५* *कुल गुण : ७५*

मोडरेशन कार्यालय के लिए	*प्रश्न नं.*	*प्राप्तांक*
	१	
	२.	
	३.	
	४.	
	५.	
	६.	
	७.	
	८.	
	९.	
	१०.	
	११.	
	१२.	
	कुल	

परीक्षार्थी क्रमांक | | | | | | |

शब्दों में .....

केन्द्र नंबर | | | | |

केन्द्र का नाम .....

परीक्षार्थी की उम्र : ..... वर्ष

वर्ग सुपरवाइझर की हस्ताक्षर : .....

नोंध :-

१. डाहिनी ओर प्रश्न के अंक दर्शाए गए हैं ।

२. सूचना के मुताबित प्रश्न के उत्तर दीजिए ।

३. छेकछाकवाले जवाब मान्य नहीं है ।

परीक्षक की हस्ताक्षर : .....

(विभाग- १ : सहजानंद चरित्र)

प्र.१. निम्नलिखित वाक्य कौन, किससे और कब कहता है, यह लिखिए। **[१०]**

१. *''साकार रूप में अखंड हमारी सेवा में है, और निराकर एकरस चैतन्य रूप से धाम रूप में पुरुषोत्तम और अनन्त मुक्तों को धारण कर रहे हैं ।''*

कौन कहता है? ..... किसे कहता है ?.....

कब? .....

२. *''आपके और आपके भक्तों के चेहरे देखकर मेरी शंका का समाधान हो गया ।''*

३. *''इस सेठ के मन की बात बता दो ।''*

४. *''स्वामिनारायण निश्चित रूप से खुदा या खुदा का आंशिक ओलिया पुरुष होना चाहिए ।''*

५. *''उसको क्षमा दे दे । उसको दृष्टि भी प्रदान करें ।''*

प्र.२. निम्नलिखित विधान के कारण दीजिए। (दो से तीन पंक्तियों में) **[६]**

१. *महाराज के आश्रित किसीसे भी डरते नहीं ।*

.....

.....

.....

२. *श्रीजीमहाराज ने संतों को संस्कृत पढ़ने की आज्ञा की ।*

३. *स्वामिनारायण का धर्मोपदेश हिन्दू शास्त्रों की अपेक्षा उच्चतर है ।*

प्र. ३. निम्नलिखित प्रसंगों में से किसी <u>एक</u> प्रसंग के केवल पाँच मुख्य वाक्य लिखिए। (टिपण्णी आवश्यक नहीं है।) [५]

१. बन्दर ने माला फिराई । २. दीनानाथ, दीन का सन्मान । ३. मैं तो आपमें अखंड रहा हूँ ।

प्रसंग :

१. .....

.....

२. .....

.....

३. .....

.....

४. .....

.....

५. .....

.....

प्र. ४. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर एक वाक्य में दीजिए। **[५]**

१. *अठारह परमहंस दीक्षा लेकर श्रीजीमहाराज को कौन से गाँव में मिले ?*

.....

२. *निम्न स्तर की उपेक्षित जातियों में महाराज ने कैसे संस्कारों का सिंचन किया ?*

३. *अकाल के वर्ष में दादाखाचर के दरबार के तीन कमरे को क्या क्या नाम दिए गए थे ?*

४. *महाराज के पैरों में छाले क्यों पड़ गए ?*

५. *महाराज ने क्या कहकर गुणातीतानंद स्वामी को कम्बल ओढा दिया ?*

प्र. ५. निम्नलिखित वाक्य सही हैं या गलत, यह लिखकर, गलत वाक्य को सुधारकर लिखिए। **[५]**

१. *सूराखाचर ने कहा, ''हमें भी शादी करनी है, फूलेके घूमना है ।''* ☐

.....

२. *जूनागढ में महाराज ने लक्ष्मीनारायण देव की मूर्तिप्रतिष्ठा की ।* ☐

.....

३. *वडोदरा में गोपालानंद स्वामी ने वेदांताचार्य का पराभव किया ।* ☐

.....

४. *महाराज ने गढडे में देवा पटेल के छप्पर को अपने कंधे पर ले लिया ।* ☐

.....

५. *महाराज ने गढडा में निष्कुलानंद स्वामी को अपने इस पृथ्वी पर प्रकट होने के छह हेतु समझाये ।* ☐

.....

प्र. ६. निम्नलिखित विधान की पूर्ति कीजिए। **[४]**

१. *कोई ..... की आज्ञा का उल्लंघन नहीं करे ।*

२. *महाराज ने मांगरोल और ..... में कई लोगों को समाधि लगवाई थी ।*

३. *संतों और हरिभक्तों के साथ महाराज ..... के खेत में बाजरा काटने गए ।*

४. *महाराज ने वडताल में ..... स्वामी को महंत बनाये ।*

(विभाग - २ : सत्संग वाचनमाला भाग-२)

प्र. ७. निम्नलिखित वाक्य कौन, किसे और कब कहते हैं, वह लीखिए। **[१०]**

१. *''हम जो जो आज्ञा करते हैं उसमें हम भगवान की मूर्ति भी देते हैं ।''*

कौन कहता है? ..... किसे कहता है ?.....

कब? .....

२. *''भगवान की प्रसादी में स्वाद नहीं देखना ।''*

३. *''उनके जैसा आलम में कहीं नहीं मिलेगा ।''*

४. *''शास्त्रीजी महाराज का संग रखना और जो वे कहे वह करना ।''*

५. *''हम पहले पृथ्वी लोक में कभी नहीं आये और अब स्वयं साक्षात् आयेंगे भी नहीं ।''*

प्र. ८. निम्नलिखित विधान के कारण दीजिए। (दो से तीन पंक्तियों में) **[६]**

१. *नित्यानंद स्वामी को शास्त्रार्थ के लिए अहमदाबाद जाना था ।*

.....

.....

.....

२. *नवाब ने नरसिंह पंड्या को राज्यसभा से बाहर निकाल दिया ।*

३. *महाराज उदास होकर गढपुर से चल निकले ।*

प्र. ९. निम्नलिखित वाक्यों में से केवल <u>पाँच</u> सही वाक्यों को ढूँढ़कर सिर्फ उसके नंबर लिखे। **[५]**

प्रसंग :- मूलजी ब्रह्मचारी की सेवा-भक्ति ।

१. त्यागी होना हो तो जूनागढ जाना । २. मै कहाँ मना करता हूँ, बुलाओ ब्रह्मचारी को । ३. अपने रास्ते जाओ । ४. क्या खाओगे ? भजिया, पूरी, शाक या कुछ और ? ५. यह लोक दु:खरूप है, मुझे तो कोई दु:ख होता नहीं । ६. मुझे निष्कामी भक्त के हाथ की सेवा अच्छी लगती है, अन्य की नहीं । ७. मुझे तो आप की इच्छा के अनुसार वर्ताव करना है । ८. गोपीनाथजी की मूर्ति को तनिक भी लग न जाय इस प्रकार ध्यान रखकर प्रेम से सेवा करते थे । ९. आप अपना मानकर मेरी देखभाल करते हैं । तो मुझे निभा लेना । १०. ये बहुत बुद्धिमान नहीं हैं, परंतु हमें प्रसन्न करना जानते हैं ।

केवल क्रम :- ☐ ☐ ☐ ☐ ☐

प्र. १०. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर एक वाक्य में दीजिए। **[५]**

१. *सर्वमंगल स्त्रोत में नित्यानंद स्वामी का क्या विशेष नामोच्चार है ?*

.....

२. *जागा स्वामी किसके अवगण देखने को और किसके नहीं देखने को कहते थे ?*

३. *किशोर की सेवावृत्ति से राजी होकर शिक्षक ने क्या किया ?*

४. *मुक्तराज कडवा व्यास किस स्वामी के योग में आये थे ?*

५. *शास्त्रीजी महाराज ने मूलजी ब्रह्मचारी की मूर्ति कौनसे मंदिर में प्रस्थापित की ?*

प्र. ११.निम्नलिखित 'अ' विभाग के सामने 'ब' विभाग में से योग्य शब्द खोजकर सही जोडे बनाइए। **[४]**

'अ'		**'ब'**
१. धुनकिया	.....	*१. यह संसार क्या एसा है ?*
२. दिनमणी	.....	*२. आपको तो दादा ने बाँध लिया है ।*
३. मूलजीभाई	.....	*३. ज्ञान का साक्षात् अनुभव करना चाहिए ।*
४. गिरधरभाई	.....	*४. यह बच्चा भगवान ने दिया है ।*

(विभाग - ३ : निबंध)

प्र. १२.निम्नलिखित किसी <u>एक</u> विषय पर करीब ३० वाक्यों में निबंध लिखिए। **[१०]**

१. संस्कार की पोषणदात्री - किशोरप्रवृत्ति ।

२. संस्कृति की अस्मिता जागृत हो जाय तो हमारा जीवन उच्च आध्यात्मिक बन जाय ।

३. उत्सव - समाज जीवन का अनिवार्य अंग।

निबंध :

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

इस प्रश्नपत्र में से थोड़े-बहुत (अंशत:) प्रश्न दिनांक. १६ फरवरी, २००३ के दिन आनेवाली मुख्य परीक्षा में पूछे जाने की संभावनाए हैं ।

बोचासनवासी श्री अक्षरपुरुषोत्तम स्वामिनारायण संस्था
सत्संग शिक्षण परीक्षा - पूर्व कसौटी

सत्संग परिचय - २

जनवरी, २००३ | समय : दोपहर २ से ४.१५ | कुल गुण : ७५

मोडरेशन कार्यालय के लिए	प्रश्न नं.	प्राप्तांक
	१	
	२.	
	३.	
	४.	
	५.	
	६.	
	७.	
	८.	
	९.	
	१०.	
	११.	
	कुल	

परीक्षार्थी क्रमांक | | | | | | |

शब्दों में .....

केन्द्र नंबर | | | | |

केन्द्र का नाम .....

परीक्षार्थी की उम्र : ..... वर्ष

वर्ग सुपरवाइझर की हस्ताक्षर : .....

नोंध :-

१. डाहिनी ओर प्रश्न के अंक दर्शाए गए हैं ।

२. सूचना के मुताबित प्रश्न के उत्तर दीजिए ।

३. छेकछाकवाले जवाब मान्य नहीं है ।

परीक्षक की हस्ताक्षर : .....

(विभाग - १ : किशोर सत्संग परिचय)

प्र.१. निम्नलिखित वाक्य कौन, किससे और कब कहते हैं, वह लीखिए। **[१०]**

१. *''तुमने मेरे से कुछ नहीं छुपाया है, इसलिए तुम ब्राह्मण हो ।''*

कौन कहता है? ..... किसे कहता है ?.....

कब? .....

२. *''सारा व्यय भार उठाने के लिए मैं तैयार हूँ और अपने समस्त साधनों से उत्तम सेवा करुँगा ।''*

३. *''हम मान पाने के लिए साधु कहाँ हुए है ?''*

४. *''तुमने जो भी किया होगा वह मेरे हित में किया होगा ।''*

५. *''दूसरे तो नियम धारण करवाकर, वर्तमान का पालन करवाकर कल्याण करते हैं ।''*

प्र. २. निम्नलिखित वाक्यों में से केवल <u>सात</u> सही वाक्यों को ढूँढ़कर सिर्फ उसके नंबर लिखे। **[७]**

प्रसंग :- समदृष्टि गोरधनभाई

१. उत्कृष्ट मुमुक्षु जानकर महाराज ने रहने के लिए अनुमति दी । २. सेठ थोड़ी ही देर में सारे पेडे चटकर गए । ३. जिसे मोक्ष में खप हो वह सत्संग में आगे बढ़ता जाता है । ४. महाराज को खिलाने के लिए पेडे लाए गए थे वह गोरधनभाई चट कर गए । ५. गोरधनभाई ने तो हमें मन में रखकर ही खाना खाया है। ६. इच्छा-तृष्णा का नाश होना बहुत कठिन है । ७. दोनों को शक्कर समझकर खा लिया । ८. भात का मांड पीकर समागम करुँगा । ९. तीनों अवस्था में अपनी आत्मा को ब्रह्मरूप देखते हैं और मेरा भजन अखंड करते हैं । १०. दुकानदार के यहाँ से नमक और शक्कर लाकर दे दिए । ११. ये इस लोक से उपर है । १२. जिसको कल्याण का एसा चाव हो वह सत्संग में आगे बढ़ता जाता है ।

केवल क्रम :- ☐ ☐ ☐ ☐ ☐ ☐ ☐

प्र. ३. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर एक वाक्य में दीजिए। **[६]**

१. *श्रीजीमहाराज ने किस मन्दिर के निर्माण में अपनी सेवा का योगदान दिया ?*

.....

२. *किन छह व्यक्तियों को सन्मुख उठकर आसन देना चाहिए ?*
३. *किन किन की निंदा नहीं करनी चाहिए और नहीं सुननी चाहिए ।*
४. *हिमराज शाह एकादशी के दिन कहाँ, क्यों जाते थे ?*
५. *शेषजी के शिर से पृथ्वी क्यों और कितनी ऊँची हो गई ?*
६. *राजबाई की चिता में अग्नि प्रकटाने के लिए गोपालानंद स्वामी ने क्या कहा ?*

प्र. ४. निम्नलिखित स्वामी द्वारा कही गई बात की पूर्ति कर उसका निरूपण कीजिए । अथवा वचनामृत का निरूपण करे । **[६]**

१. *हीरा किसी रीति से .....* **अथवा** *१. वचनामृत गढडा प्रकरण - ८*

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

प्र. ५. निम्नांकिंत कीर्तन / अष्टक / श्लोक की रिक्तता की पूर्ति कीजिए। **[४]**

१. *जेणे महापापा .....,*

.....,

.....,

..... मुखथी कहेता ।।

२. *निजपादयोज किर्तनं ..... ।*

..... भजे सदा ।।

३. *असूर अधर्मी ..... ।*

..... दीधां सुख ।।

४. *शरणागत .....*

..... भजे सदा ।।

(विभाग - २ : प्रागजी भक्त)

प्र. ६. निम्नलिखित वाक्य कौन, किससे और कब कहते हैं, यह लिखिए। **[१०]**

१. *''दूसरी कोई चिंता नहीं रखते ।''*

कौन कहता है? ..... किसे कहता है ?.....

कब? .....

२. *''अपने मनकी करोगे तो सपुल नहीं हो सकेगे।'*

३. *''इस मूर्ति की नासिका तनिक लम्बी है, महाराज की नासिका इतनी लम्बी नहीं थी ।''*

४. *''स्वामी के प्रताप से तुम्हें यह सुख मिला है ।''*

५. *''यह हमारा बड़ा सौभाग्य है कि भगतजी का हमें योग हुआ है ।''*

प्र. ७. निम्नलिखित प्रसंगों में से किसी <u>एक</u> प्रसंग के केवल पाँच मुख्य विधान लिखिए। (विवरण आवश्यक नहीं है।) [५]

१. कंटकाकीर्ण मार्ग-विरोध का आरंभ । २. मुझे स्वामिनारायण ने धारण कर रखा है ।

३. संतत्व की कला ।

प्रसंग :

१. .....

.....

२. .....

.....

३. .....

.....

४. .....

.....

५. .....

.....

प्र .८. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर एक वाक्य में दीजिए। **[५]**

१. *प्रागजी भक्त ने कैसा स्वभाव सिद्ध कर लिया था ?*

.....

२. *बँधी हुई चांदनी को देखकर गुणातीतानंद स्वामी ने क्या कहा ?*

३. *भादरोड में यज्ञपुरुषदास ने भगतजी को क्या बनाकर खिलाया ?*

४. *भगतजी महाराज के शिष्यमंडल के तीन संतों के नाम लिखो ।*

५. *बाल प्रागजी की भक्ति से कौन प्रसन्न होते थे ?*

प्र.९. निम्नलिखित वाक्य सही है या गलत यह निर्देशित करके गलत वाक्यों को सुधारकर लीखिए। **[५]**

१. *विज्ञानदासजी के समागम से वांसदा के दीवान को भगतजी के समागम की उत्सुकता जागी थी ।* ☐

.....

२. *भगतजी महाराज और शास्त्रीजी महाराज का प्रथम मिलन वडताल में हुआ ।* ☐

.....

३. *भगतजी चार साल तक निष्कासित रहे ।* ☐

.....

४. *रणछोड भगत ने प्रागजी भक्त को बाबुले जैसे शिष्यों से बँधने के लिए इनकार किया ।* ☐

.....

५. *महाराज की आज्ञा से भगतजी सिद्धासन में सोते थे ।* ☐

.....

प्र. १०. निम्नलिखित विधान की पूर्ति कीजिए। **[५]**

१. *खानदेश में ..... के द्वारा सत्संग का विस्तार हुआ ।*

२. *धोलेरा में ..... धाम में गए ।*

३. *भगतजी महाराज ने शास्त्रीजी महाराज को ..... शहर में पढ़ने की आज्ञा दी ।*

४. *गुणातीतानंद स्वामी ने ..... बापु को कैक्टस पर केले आने की बात की ।*

५. *संवत् ..... की साल में स्वामी सात महीना वरताल में रहे ।*

(विभाग - ३ : सत्संग प्रवेश परीक्षा की पुस्तकों के आधार पर)

प्र .११. निम्नलिखित प्रसंगों में से किन्हीं <u>तीन</u> विषय पर विचार विस्तार कीजिए ।

(मुख्य परीक्षा में सभी तीन विषय पर विचार विस्तार करना होगा।) **[१२]**

१. *अजोड़ विद्वत्ता । (शास्त्रीजी महाराज)* **अथवा**

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

१. *विद्यारंभ । (शास्त्रीजी महाराज)* **अथवा**

१. *वरताल में अक्षरपुरुषोत्तम का जयघोष । (शास्त्रीजी महाराज)* **अथवा**

१. *दिव्य समाधि । (शास्त्रीजी महाराज)*

२. *गोपालयोगी से मिलन । (नीलकंठ चरित्र)* **अथवा**

२. *मानसपुर में असुरों का नाश । (नीलकंठ चरित्र)* **अथवा**

२. *अपनी वाणी को शाप । (नीलकंठ चरित्र)*

३. *माताजी । (किशोर सत्संग प्रवेश)* **अथवा**

३. *व्यापकानंद स्वामी । (किशोर सत्संग प्रवेश)*

४. *सद्‌गुरु शुकानंद स्वामी । (सत्संग वाचनमाला भाग-१)*

* * *